रजिस्ट्रेशन संख्या :– R.N.I. 36355/79
डाक पंजीकरण संख्या :– के पी सिटी– 67/2018–20

अधिकार किसको जानने के लिए भारत सरकार की वेबसाइट www.dhr.gov.in लॉगिन कर क्लिक करें अल्टरनेटिव मेडिसिन तथा गज़ट पढ़ने हेतु log in करें www.behm.org.in

चिकित्सा–विज्ञान और प्रौद्योगिक जगत में सर्वाधिक प्रकाशित होने वाला निष्पक्ष समाचार पत्र

पाक्षिक

इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट

पत्र व्यवहार हेतु पता :–
सम्पादक
इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट
127/204 'एस' जूही,
कानपुर–208014

वर्ष –41 ● अंक –20 ● कानपुर 16 से 31 अक्टूबर 2019 ● प्रधान सम्पादक – डा0 एम0 एच0 इदरीसी ● वार्षिक मूल्य ₹100

इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता के लिये संगठित प्रयास करने चाहिये

पूरे देश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी को स्थापित करने के लिए प्रयास किये जा रहे हैं पर प्रयासों में अभी भी एकरूपता नहीं है जिसके कारण प्रयासों को सफलता नहीं मिल रही है यदि प्रयास सामुहिक और एक सोच के होते तो शायद वह सफलता मिल जाती जिसके लिए हम सभी प्रयासशील हैं, ऐसा नहीं है कि प्रयास किये नहीं जा रहे हैं लेकिन जो दृष्टिगोचर हो रहा है उससे ऐसा लगता है कि प्रयासों में कहीं न कहीं निजी महत्वाकांक्षायें भी सम्मिलित हैं, आज पूरे देश में जितने भी राज्य हैं लगभग लगभग सभी राज्यों से प्रयासों के समाचार मिलते हैं हर राज्य व केन्द्र शासित प्रदेश में कोई न कोई संस्था किसी न किसी रूप में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए कार्य कर रही है, दिल्ली जहां सारे नियम और कानून बनते हैं एक मात्र यही राज्य है जहां दिल्ली राज्य से कोई आन्दोलन नहीं चलाया जा रहा है, दूसरे राज्यों से आकर लोग दिल्ली में आन्दोलन करते हैं लोगों को जागरूक करने का प्रयास करते हैं लेकिन दिल्ली में रहने वाले दिल्ली राज्य के चिकित्सकों के लिए कुछ नहीं करते हैं परिणाम यह होता है कि कभी कभी दिल्ली राज्य का चिकित्सक अपने आप को अकेला महसूस करने लगता है और यह पीड़ा भी बताता है कि हमारी अगुवाई कौन करेगा, दिल्ली का एक कटु सत्य यह भी है कि दिल्ली में प्रैक्टिस करने वाले अधिकांश चिकित्सक दिल्ली राज्य के हैं ही नहीं या तो वे बिहार, बंगाल के हैं या उड़ीसा के हैं या फिर उ0प्र0 के जब जब दिल्ली राज्य के चिकित्सकों पर दिल्ली स्वास्थ्य विभाग या दिल्ली प्रशासन का शिकंजा कसता है तो संस्थायें बड़ी चतुराई से जवाब दे देती हैं कि हमने तो तुम्हें अपने राज्य के लिए अधिकृत किया था कुछ संस्थायें अभी भी बेशर्मी से यह कहने से बाज़ नहीं आती हैं कि हमारे प्रमाण पत्र धारकों को सारे देश में प्रैक्टिस करने का अधिकार है, जबकि प्रैक्टिस का अधिकार किसे है ? यह अभी भी हमारा सीधा सादा चिकित्सक नहीं जानता है इसी की आड़ में उसका शोषण और दोहन होता रहता है, यह कृत्य कितना उचित है इसका निर्णय भुक्तभोगी तो नहीं, जानकार अवश्य कर सकते हैं, यद्यपि पिछले कुछ समय से चिकित्सकों में जागरूकता पैदा हुई है।

चिकित्सकीय अधिकार क्या है, उन्हें यह पता हो गया है कि जिस राज्य में उन्हें प्रैक्टिस करनी है उन्हें उसी राज्य की वैधानिक ढंग से स्थापित बोर्ड या परिषद में पंजीयन होना चाहिये और बोर्ड या परिषद का दायित्व बनता है कि वह भी अपने अधिकार क्षेत्र के अन्दर रहकर ही कार्य करें, आज पूरे देश को एक ही आवश्यकता है कि जो जो संस्थायें या व्यक्ति इलेक्ट्रो होम्योपैथी के क्षेत्र से जुड़े रहे हैं वे अपने स्तर से कार्य प्रारम्भ कर दें चूंकि इस समय देश में कार्य करने का उचित वातावरण है, जो संस्थायें विवादित हैं या जिन संस्थाओं को न्यायालयों द्वारा रोका गया है उन्हें अवश्य अपने बारे में विचार करना चाहिये और यह स्वतः निर्णय लेना चाहिये कि कार्य कैसे किया जाये और क्या किया जाये ?

अधिकांश संस्थायें सिर्फ शिक्षण कार्य को ही अपना अधिकार मानती हैं वह यह क्यों नहीं सोचती हैं कि शिक्षण के आलावा और भी ऐसे बहुत सारे क्षेत्र हैं जहां पर कार्य करते हुए इलेक्ट्रो होम्योपैथी की सेवा की जा सकती है, इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास के लिए रचनात्मक कार्यों की बड़ी आवश्यकता है हम इलेक्ट्रो होम्योपैथी के क्षेत्र में जो दावे करते हैं उन्हें पूरा करने के लिए आवश्यक है कि हम ज़मीनी कार्य करें इसमें सबसे महत्वपूर्ण कार्य है चिकित्सा का किसी भी चिकित्सा पद्धति को स्थापित करने के लिए आवश्यक होता है कि उस चिकित्सा पद्धति के अनुयायी हों इसके लिए आवश्यक है पूरे देश में जनपद व स्थानीय स्तर पर इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सालायों की स्थापना की जाये जहां पर नियमित रूप से चिकित्सा कार्य हो, जब चिकित्सा कार्य होगा रोगी इस पद्धति के प्रयोग से रोगमुक्त होंगे तभी पद्धति का सही विकास होगा, हमारे सामने एक बहुत बड़ी समस्या है कि अभी भी हम आम जन में होम्योपैथी एवं इलेक्ट्रो होम्योपैथी में अन्तर नहीं स्थापित कर पाये क्योंकि दोनों की औषधियों की शक्ल सूरत और देने की विधि लगभग एक जैसी है, जब रोगी को बार बार बताया जाता है तब कहीं जाकर यह समझ में आता है कि यह इलेक्ट्रो होम्योपैथी है।

दूसरी बात यह भी है कि अब लोगों की सोच बदल चुकी है लोग काफी हाईटेक हो चुके हैं जबकि हम इस प्रतिस्पर्धा में अभी बहुत पीछे हैं जैसे ही हम इस पर आंशिक भी सफलता प्राप्त करते हैं तो हमें सफलता का आनन्द मिलने लगता है, हमारे चिकित्सक का भी यह नैतिक दायित्व है कि वह अधिक से अधिक लोगों को अपनी पद्धति की औषधियों का प्रयोग करवाकर उन्हें रोगमुक्त करे जब जनता के बीच में यह सन्देश जाता है कि इस पद्धति से यह लाभ होता है तो लोग उसके पीछे चल पड़ते हैं इसलिए निराशा की कोई बात नहीं है, शिक्षण के अलावा और भी कार्य हैं जहां पर हम अपने आप को व्यस्त कर सकते हैं और इलेक्ट्रो होम्योपैथी की सेवा का एक और भी क्षेत्र है जहां पर कार्य करते हुए इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास पर अपना योगदान दिया जा सकता है वह है साहित्य सृजन का, कुछ इस तरह के लोग इस क्षेत्र में आयें जो इसके साहित्य का सृजन करें जो आम जन की पहुंच में हो और उपयोगी भी, इलेक्ट्रो होम्योपैथी पर ऐसा साहित्य लिखा जाये जो इलेक्ट्रो होम्योपैथी से सम्बन्धित जानकारी तथा किस बीमारी में कौन सी औषधि कितनी प्रभावी है इन सबका सम्यक निरूपम किया जाये, तो ऐसी पुस्तकें जनोपयोगी हो सकती हैं यह कार्य भी वह लोग कर सकते हैं जो अधिकारों के लिए संघर्षरत हैं, औषधि निमार्ण का क्षेत्र भी बहुत व्यापक और बड़ा है यहां पर भी प्रयास किया जा सकता है परन्तु यह कार्य जोखिम भरा है और इसमें तमाम तरह की कानूनी अड़चने भी हैं, रही बात अनुसंधान की तो सत्यता तो यह है कि अनुसंधान सिर्फ वही व्यक्ति कर सकता है जो इलेक्ट्रो होम्योपैथी के साथ साथ अनुसंगिक विषयों की समुचित जानकारी रखता हो चूंकि इलेक्ट्रो होम्योपैथिक औषधियों का निमार्ण पादप जगत से प्राप्त वनस्पतियों द्वारा होता है इसलिए इस क्षेत्र में उन्हें ही जाना चाहिये जो सुविज्ञ हों या विषय पारान्गत हों।

यह दुर्भाग्य है कि आज इन दोनों क्षेत्रों में ऐसे लोग काबिज़ होते जा रहे हैं जिनकी प्रतिभा पर हमें कोई सन्देह नहीं है पर उनकी कार्यप्रणाली कभी भी जनहित की नहीं होती है इसलिए इलेक्ट्रो होम्योपैथी की अपेक्षायें उनसे पूरी नहीं हो पाती हैं प्रयासों में समरूपता से तात्पर्य प्रयास ऐसे हों जिनका कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी के हितों पर कोई विपरीत प्रभाव न पड़े एवं एक और महत्वपूर्ण क्षेत्र है वह है इलेक्ट्रो होम्योपैथी को विस्तार देने का, इस क्षेत्र में कार्य करने वालों की संख्या में एकाएक ज़बरदस्त वृद्धि हुई है हर राज्य से कुछ न कुछ ऐसे तत्व बाहर निकल कर आ रहे हैं जो निरन्तर यह प्रचार करते हैं कि उनके द्वारा किये गये कार्यों से ही इलेक्ट्रो होम्योपैथी का हित होगा और यही अहंकार इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास की सबसे बड़ी बाधा है यदि यह बात समाप्त हो जाये तो सम्भवतः जो कार्य वर्षों में होना है वह महीनों में पूरा हो जाये, विगत कई वर्षों से जिस तरह के कार्य किये जा रहे हैं वह अच्छे तो हैं परन्तु वह कार्य मान्यता के बाद के हैं, बताया जाता है कि मान्यता हो जायेगी तो यह होगा मान्यता हो जाये तो वह होगा परन्तु मान्यता होगी कैसे !

इस मूल प्रश्न पर किसी का भी ध्यान नहीं है यदि अन्तरविभागीय समिति द्वारा दिये गये मापदण्ड पर कार्य हो जायें तो सम्भवतः समस्या का समाधान होने में कदापि विलम्ब नहीं होगा। हम आश्वस्त हैं कि आने वाले दिनों में लोगों के विचारों में परिवर्तन आयेगा और ऐसे प्रयास करेंगे जो जनहित के साथ साथ इलेक्ट्रो होम्योपैथी के हित में भी हो, ऐसा नहीं है कि जो लोग भी इलेक्ट्रो होम्योपैथी को स्थापित कराने में प्रयासशील हैं वे सबके सब स्वार्थी हों !

सत्य तो यह है कि जिन्होंने वर्षों तक इलेक्ट्रो होम्योपैथी की सेवा की है और आज भी सेवा करने के लिए लालाइत हैं उनके विचारों में आसानी से परिवर्तन नहीं आ सकता है, हाँ कहीं–कहीं पर उनका स्वंय आड़े जरूर आता है, इसी कारण वह विचलित होते हैं परन्तु उनका मन में यह कभी नहीं होता कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी को नुकसान हो, यह तो उनकी नियति है कि वह जो कुछ भी करते हैं उसके परिणाम ठीक नहीं निकलते हैं इन सब अच्छे और बुरे से ऊपर उठकर सिर्फ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथी के उत्थान के लिए विचार करना चाहिये और यह लगातार प्रयास करना चाहिये कि जो प्रयास सर्वहित में हो उसी पर लगना ठीक है, उसी से सबका कल्याण है यदि इलेक्ट्रो होम्योपैथी का विकास होगा तो जो उसके विकास कार्य में लगा है उसे कोई न कोई स्थान अवश्य प्राप्त होगा भले ही वह स्थान 100 वां ही हो।

अब शून्यता कहीं नहीं है हर ओर विकास का डंका बज रहा है आपस में वार्ता करनी चाहिये और यह सोचना चाहिये कि कौन से विचार लाभकारी हैं जिससे कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी का हित हो एवं उसकी उन्नति भी हो यह आवश्यक नहीं है कि जो कुछ हम सोचते हैं वही सही होगा और वही सबसे लाभकारी होगा।

व्यक्ति को हर समय सीखते रहना चाहिये पता नहीं कौन सी सीख कहां काम आ जाये और कौन व्यक्ति किस स्थान पर आपके लिए उपयोगी सिद्ध हो जाये, इन्हीं सब बिन्दुओं पर गहनता से चिन्तन करने के बाद ही यह निर्णय लेना चाहिये कि क्या उचित है और क्या अनुचित!

आज के आन्दोलन

विगत कई वर्षों से दिल्ली में इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता के आन्दोलन चलाये जा रहे हैं जो यह सन्देश देते हैं कि यह अन्तिम आन्दोलन है इसके साथ ही इलेक्ट्रो होम्योपैथी को मान्यता प्राप्त हो जायेगी देशव्यापी प्रचार किया जाता है व लोगों को एकत्रित करने के लिए अनेकों कार्यक्रम बनाये जाते हैं हालांकि इन आन्दोलनों में चन्दे जैसी कोई बात नहीं होती है, आन्दोलन के दो, तीन व चार दिन की गहमागहमी के बाद फिर नये सिरे से तैयारी शुरू होती है इस तैयारी में प्रचार किया जाता है कि अमुक व्यक्ति या संगठन के असहयोग के कारण हमें सफलता नहीं मिल सकी , निरन्तर कई वर्षों से इस तरह के प्रयास किये जा रहे हैं ,जब आन्दोलनों के मूल में जाया जाता है तो हर बार आन्दोलनकारी संगठन बदला हुआ दिखायी देता है।

आज सारे भारत वर्ष में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए विभिन्न तरह के आन्दोलन चलाये जा रहे हैं इन आन्दोलनों का परिणाम कितना अच्छा होगा यह तो हर आन्दोलन चलाने वाला जानता है, पूरे देश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता की लड़ाई लड़ने वालों की एक लम्बी श्रंखला है और ये सारे के सारे लोग अपने–अपने ढंग से मान्यता की लड़ाई लड़ रहे हैं लेकिन निष्पक्षता से विचार किया जाये तो यह स्पष्ट दृष्टिगोचर हो जाता है कि इस लड़ाई को कौन वास्तविक रूप से लड़ रहा है ?सत्यता तो यह है कि अधिकांश आन्दोलन करने वाले हमारे नेतागण अपने व्यक्तिगत हितों को ऊपर रखकर यह लड़ाई लड़ रहे हैं, लड़ाई का स्वरूप स्पष्ट नहीं होता, जिसको जो समझ में आता है उसी का प्रचार करना शुरू कर देता है।

हम भी आन्दोलन के पक्षधर हैं लेकिन आन्दोलन किस ढंग का होना चाहिये और कहां होना चाहिये और अब तो अन्तरविभागीय समिति ने स्पष्ट कर दिया है कि निर्धारित मापदण्ड पूरा करो मान्यता पर विचार किया जायेगा, कलान्तर में आन्दोलन हुए हैं उन्हें सफलता इस लिए नहीं मिली है क्योंकि आन्दोलनकर्ता यह स्वयं तय करता है कि उसे आन्दोलन का क्या स्वरूप देना है ?जो आन्दोलन दीर्घ कालीन और जनहित से जुड़े होते हैं उन्हें सफलता तो अवश्य मिलती है लेकिन इलेक्ट्रो होम्योपैथी का आन्दोलन अन्य आन्दोलनों से भिन्न है क्योंकि यह आन्दोलन सीधे मानव जीवन से जुड़ा है।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी सैकड़ों वर्षों से इस देश में अपना प्रचार व प्रसार कर रही है, एक शताब्दी से अधिक समय बीत जाने के बाद भी इलेक्ट्रो होम्योपैथी की स्थिति में कोई क्रान्तिकारी परिवर्तन नहीं हुआ है जबकि इसकी समकालीन अन्य चिकित्सा पद्धतियां काफी आगे निकल चुकी हैं, यह एक चिन्तन का विषय है कि आखिर ऐसा क्यों है ?जब–जब इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता की बात आती है तो मान्यता देने वाले अधिकारी इस चिकित्सा पद्धति की तुलना अन्य प्रचलित चिकित्सा पद्धतियों से करते हैं और जब तुलनात्मक अध्ययन किया जाता है तो परिणाम यही आता है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी का अभी उतना विकास नहीं हुआ है जितना की किसी मान्यता पाने वाली चिकित्सा पद्धति के लिए होना चाहिये।

किसी भी अधिकारी को यह कहना बड़ा आसान होता है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता का स्तर वह नहीं है जो होना चाहिये लेकिन सच्चाई यह है कि सन 1953 के बाद क्या किसी सरकार ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी के कार्यों का मूल्यांकन किया है ?इस चिकित्सा पद्धति से कितने असाध्य और मृत्यु के मुहाने में बैठे रोगियों को लाभ मिला है ?क्या कभी किसी ने यह जानने का प्रयास किया कि कैंसर जैसी गम्भीर और जटिल रोगों में इस चिकित्सा पद्धति की जो दावेदारी है उसकी वास्तविकता क्या है ?

सत्य तो यह है इलेक्ट्रो होम्योपैथी से कार्य करने वालों का कभी भी समर्थन नहीं किया गया, हास्य और उपेक्षा का दंश झेलते–झेलते हमारे चिकित्सक इलेक्ट्रो होम्योपैथी को यहाँ तक ले आये हैं, विपरीत परिस्थितियों में काम करना और काम के परिणाम को लेना इस बात के स्वतः प्रमाण होते हैं कि कार्य करने वाले की कुशलता पर कोई सन्देह नहीं किया जा सकता है ! परन्तु सोचने की यह बात है कि आन्दोलन कैसा हो इसका स्वरूप क्या हो और किस प्रकार आन्दोलन होना चाहिये जिससे इलेक्ट्रो होम्योपैथी को लाभ हो।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी का बदलता आन्दोलन

पूरे देश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता का आन्दोलन बड़े ज़ोर शोर से चलाया जा रहा है हर संगठन जो इस कार्यक्रम से जुड़ा हुआ है वह अपने–अपने स्तर से इस आयोजन को संचालित कर रहा है, कुछ संगठन आन्दोलन के माध्यम से मान्यता दिलाने का कार्य कर रहे हैं पूरे देश में एक ऐसा वातावरण निर्मित किया जा रहा है, जिससे ऐसा लग रहा है कि मानो मान्यता हमारी झोली में आ ही जायेगी, इस समय पूरा इलेक्ट्रो होम्योपैथी समाज एक बार फिर ऐसे भ्रमजाल में फंस गया है जिससे निकलना अतिआवश्यक है अन्यथः जिस तरह से कुत्सित प्रयास जारी हैं वह इस चिकित्सा पद्धति को कहीं न कहीं नुकसान पहुँचा सकते हैं, आजकल जो प्रयास जारी हैं अगर हम आंकलन करें कि यह कौन लोग हैं ?जो इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता के आन्दोलन को हवा दे रहे हैं तो साफ–साफ नज़र आने लगेगा कि यह वही सब लोग हैं जो वर्ष 2003 के पहले तक उ0प्र0 की धरती को ही अपना कर्मस्थली मानते थे सामान्यजन को दिखाने के लिये तो यह लोग आज भी ऐसा प्रदर्शित करते हैं कि यह ही लोग सब कार्य करते हैं सत्यता तो यह है कि इस समय इलेक्ट्रो होम्योपैथी दो धड़ों में बंटी हुई है, एक वह लोग हैं जिनके पास कार्य करने का अधिकार है और दूसरे वे लोग हैं जो अधिकार पाने के लिये अभी भी संर्घषरत हैं, इनसे वह लोग भी आकर जुड़ रहे हैं जो अधिकार पाने की उम्मीद छोड़ चुके हैं अब सिर्फ अपना अस्तित्व बचाने के लिये ऐसे आन्दोलनों से आकर जुड़ जाते हैं, आन्दोलन करना बुरी बात नहीं है हम तो शुरु से ही कहते आये हैं कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी स्वयं में एक आन्दोलन है और इसे सतत चलते रहना चाहिये तभी प्रगति सम्भव है और प्रगति के लिये कार्य ही आधार होता है, कार्य एवं गुणवत्ता के आधार पर ही सरकारें मान्यता दिया करती हैं, इलेक्ट्रो होम्योपैथी वस्तुतः एक अच्छी चिकित्सा पद्धति है लाभकारी, गुणकारी होने के साथ–साथ अहानिकर व त्वरित प्रभावी भी है। इतनी अच्छी गुणवत्तायुक्त चिकित्सा पद्धति होने के उपरान्त भी हम आज तक आन्दोलनकर्ता सरकार को प्रभावित नहीं कर सके इसका कारण है कि आन्दोलन दिशाहीन है, जिस स्तर का कार्य होना चाहिये उस स्तर का कार्य नहीं हो पा रहा है, जबकि वर्ष 2011 से पूरे देश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी से कार्य करने की पूरी आजादी है खास तौर पर उ0प्र0 में उत्तर प्रदेश सरकार ने तो बाकायदा 04 जनवरी, 2012 को इलेक्ट्रो होम्योपैथी की चिकित्सा, शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रैक्टिस करने के लिये शासनादेश जारी कर रखा है और यह शासनादेश जारी हुआ था प्रदेश की एकमात्र विधि सम्मत ढंग से स्थापित संस्था बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 को।

सबसे अच्छी बात तो यह है कि उत्तर प्रदेश सरकार भी यह चाहती है कि प्रदेश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी भी फले–फूले सरकारी अधिकारी शासनादेश का अनुपालन करें इस हेतु 02 सितम्बर, 2013 व 14 मार्च, 2016 को प्रदेश के चिकित्सा महानिदेशक ने अपने अधीन सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि 04 जनवरी, 2012 का अनुपालन शासकीय आदेशानुसार करें, अब होना तो यह चाहिये कि जितने भी नेतागण काम कर रहे हैं वे अपनी पूरी ऊर्जा के साथ एक ऐसा आन्दोलन चलाते जिससे कि प्रदेश के कोने–कोने से इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक निकल कर अपने पंजीयन का आवेदन जनपद के मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय में करते तब इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आन्दोलन को एक नई गति मिलती, सरकारी पदों पर विराजमान अधिकारीगण जो इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिये गलत धारणा रखते हैं और आदेशों का पालन करने में कोताही बरतते हैं तब ऐसे अधिकारियों के विरुद्ध अभियान चलाया जाता।

आन्दोलनकर्ताओं को विश्वास हो चुका है कि उ0प्र0 में उन्हें कार्य करने का अवसर नहीं मिलना है या फिर चिकित्सकों की समस्याओं का समाधान उनके पास नहीं है, कभी उ0 प्र0 आन्दोलन की मुख्य भूमि हुआ करती थी पूरे देश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के जितने भी आन्दोलन हुआ करते थे उनका नेतृत्व उत्तर प्रदेश ही किया करता था पर अब ऐसा क्यों है ?

हम कहाँ पर हैं ! यह दिखाने के लिये किसी का सहारा लेना पड़ रहा है, जो लोग यह भ्रम फैला रहे थे कि जो उ0प्र0 के नेतृत्वकर्ता थे वे अब थक चुके हैं ऐसे लोगों के समूह ने नये लोगों को नेतृत्व की जिम्मेदारी दी है आन्दोलन के सारे पैंतरे सिखाये लेकिन क्या हुआ ?क्या–क्या झूठ नहीं बोला गया, भ्रम फैलाने की पराकाष्ठा हो गयी, आरोपों–प्रत्यारोपों का स्तर इतना गिर गया कि परस्पर वैमनस्यता का भाव पैदा हो गया और चिकित्सकों के मध्य जो सन्देश गया उससे विश्वसनीयता का प्रतिशत लगातार गिरता जा रहा है ऐसा प्रतीत होता है कि अदृश्य अराजकता ने जन्म ले लिया है अगर शीघ्र ही स्थिति पर नियन्त्रण नहीं किया गया तो परिणाम क्या होगा ?

मान्यता के लिए संघर्ष करना भी हमारा कर्तव्य है लेकिन इस संघर्ष को जो दिशा मिलनी चाहिये वह दिशा भ्रमित हो चुकी है बार–बार आश्वासनों के बाद जब हमारे आन्दोलनकारी सफलता नहीं पाते हैं तो साथियों में निराशा और अविश्वसनीयता का भाव पैदा होता है और लोगों का जुड़ाव धीरे–धीरे ख़त्म होने लगता है, पहले एक संगठन ने देश व्यापी आन्दोलन चलाया, हर प्रदेश का दौरा किया, जगह जगह मीटिंगें की गयीं, लोगों को जोड़ा गया, सदस्य बनाये गये, जनभावनायें उभारी गयीं और ऐसा प्रस्तुत किया गया कि जैसे उनसे पहले किसी ने कोई आन्दोलन ही नहीं किया।

स्वरूप तो ऐसा बनाया गया कि शायद अब मान्यता मिल ही जायेगी एक निश्चित तिथि भी दे दी गयी और कहा गया कि इस तिथि तक मान्यता अवश्य मिल जायेगी, यदि सरकार ने घोषित तिथि तक मान्यता नहीं दी तो आर–पार की लड़ाई होगी, तिथि भी पार हो गयी, आर–पार की लड़ाई भी हो गयी, पर इलेक्ट्रो होम्योपैथी को कुछ नहीं मिला, मिला तो बस सिर्फ आन्दोलनकारियों द्वारा दिया गया कोरा आश्वासन, इस आन्दोलन को सफल बनाने के लिए तरह तरह के उपक्रम किये गये, जो पुराने आन्दोलनकारी थे उनकी जमकर आलोचना और भर्त्सना की गयी या दूसरे शब्दों में कहा जाये तो पुराने साथियों को इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता का बाधक और खलनायक तक बताया गया, मनुष्य का स्वभाव होता है परनिन्दा सुनने में उसे आनन्द आता है लेकिन इसका परिणाम क्या हुआ ?

एक और धड़ा है जो इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता के लिए राजनैतिक प्रयासों को मान्यता का सबसे बड़ा हथियार मानता है इसके लिए केन्द्रीय मंत्रियों से मिलना, विभागीय मंत्रियों से मिलने का प्रयास करना, मिलकर अपनी बात कहना, यह बात तो अच्छी है परन्तु इसका जो प्रस्तुतीकरण है वह नाटकीय है, आन्दोलन का स्वरुप वास्तविक हो।

नवरात्रि के अवसर पर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक शिविर सफलतापूर्वक सम्पन्न

D.L.M. Medical Institute of Electro Homoeopathy Nautanwa द्वारा लगाये गये निशुल्क चिकित्सा शिविर में रोगी अपना इलाज कराते हुये– छाया गजट

डा0 प्रिंस कुमार श्रीवास्तव को उनकी सेवाओं के लिये प्राप्त टीचर इनोवेशन अवॉर्ड छाया – गजट

महाराजगंज – (नौतनवाँ) डी0 एल0 एम0 मेडिकल स्टडी सेन्टर ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथी द्वारा दिनांक 21 सितम्बर, 2019 को आयोजित इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर का आयोजन संचालक डा0 प्रिंस कुमार श्रीवास्तव की देख–रेख में तहसील क्षेत्र के ग्राम सभा अड्डा बाज़ार में किया गया जिसमें रोगियों की सम्पूर्ण शरीर की जाँचें, मस्तिष्क, मलेरिया, शुगर, टायफाइड व इन्फेक्शन आदि से ग्रसित लगभग 670 रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक की औषधियां वितरित की गयीं इस शिविर का शुभारम्भ भाजपा नेता एवं मुख्य अतिथि श्री समीर त्रिपाठी ने किया, शिविर में ग्राम प्रधान श्री गुड्डू, नरेन्द्र, वीरेन्द्र चौधरी, प्रियंका, राहुल, ममता आदि उपस्थित थे।

जौनपुर – नवरात्रि के शुभ अवसर पर निः शुल्क इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर का आयोजन भगवान महावीर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक इन्सटीट्यूट पान दरीबा, द्वारा 6वीं, 7वीं एवं आठवीं के शुभ अवसर पर रात्रि शिविर का कैम्प मिसिरपुर, शिवाला तथा पान दरीबा का पूजा पण्डाल एवं खालिसपुर का पूजा पण्डाल पर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक औषधियों को पीड़ित रोगियों में निःशुल्क वितरण किया गया, इस शिविर में डा0 हर्ष मौर्या के द्वारा नेचर केयर लाइफ साइन्स अहमदाबाद ने अपना भरपूर सहयोग प्रदान किया कैम्प में अपनी सेवा देकर स्वयं डा0 प्रमोद कुमार मौर्या ने अपना बहुमूल्य समय निकाल कर पूर्ण रुप से समर्पित दिखे, इस कैम्प के द्वारा हजारों लोगों ने भरपूर लाभ उठाया।

B.M.E.H. Institute Jaunpur द्वारा लगाये गये निशुल्क शिविर में औषधियां देते डा0 मौर्या – छाया गज़ट

शाहजहाँपुर– (इलेक्ट्रो होम्योपैथिक इन्सटीट्यूट के सौजन्य से) हमने आधुनिकता की इस चकाचौंध में अपने सगे सम्बन्धियों का जीवन कितने अंधेरों से भर दिया है इसका आभास विनोबा सेवा आश्रम जनपद शाहजहाँपुर में स्थित वृद्धा आश्रम में जाकर हुआ, अपना खून पसीना पिलाकर जिस सन्तान का पालन–पोषण इस आशा से किया था कि कल वह हमारे बुढ़ापे का सहारा बनेगा वही आज एक बोझ समझकर आश्रम में छोड़ गये। माइनारिटी एजुकेशनल एण्ड वेलफेयर सोसाईटी, शाहजहाँपुर की ओर से 4 अक्टूबर, 2019 को उनका हाल–चाल जानने हेतु आश्रम का दौरा किया गया तथा उनकी सेवा में फल व औषधियां वितरित की गयीं, इस पावन अवसर पर सोसाईटी के महासचिव डा0 मोहम्मद साकिब ने अपने सम्बोधन में उन्हें अपने माता–पिता के समान बताते हुये कहा कि हम कोई दान आप सबके लिये लेकर नहीं आये हैं अपितु आपके लिये अपना प्यार लेकर आये हैं, हमें तो आपके आशीर्वाद की बहुत आवश्यकता है, हमें ज्ञात है कि माता–पिता कितने परीश्रम से एक नन्हें पौधे को एक विशाल वृक्ष बनाते हैं, इस कार्यक्रम में मोहम्मद हनीफ, अदील साबिर, धनेश्वर वर्मा तथा आश्रम के संचालक श्री ब्रह्मदेव व स्टाफ का विशेष सहयोग मिला।

Electro Homoeopathic Medical Institute Shahjahanpur द्वारा वृद्धाआश्रम शाहजहाँपुर में फल एवं औषधियों का वितरण करते हुऐ डा0 अम्मार बिन साबिर –छाया गजट

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0

(स्वास्थ्य एवे परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आदेश प्राप्त, इहमाई द्वारा अनुमोदित)

8— लालबाग, कमला शर्मा मार्ग, लखनऊ—226001
प्रशा0 कार्यालय : 127/204 "एस" जूही, कानपुर—208014
website- www.behm.org.in Email: registrarbehmup@gmail.com

प्रवेश सूचना

F.M.E.H. दो वर्ष (चार सेमेस्टर) – इण्टरमीडियेट अथवा समकक्ष **M.B.E.H.** तीन वर्ष – इण्टरमीडियेट जीव विज्ञान अथवा समकक्ष

G.E.H.S. चार वर्ष+(1 वर्ष इन्टर्नशिप) – 10+2 जीव विज्ञान अथवा समकक्ष **P.G.E.H.** दो वर्ष – G.E.H.S अथवा चिकित्सा स्नातक

A.C.E.H. एक सेमेस्टर – किसी भी चिकित्सा पद्धति में न्यूनतम दो वर्ष का पाठ्क्रम उत्तीर्ण (इलेक्ट्रो होम्योपैथी 30 अप्रैल, 2004 से पूर्व/पैरा मेडिकल /किसी राजकीय चिकित्सा परिषद द्वारा पंजीकृत, सूचीकृत चिकित्सक)

प्रवेश व परीक्षा का कैलेण्डर

F.M.E.H. & A.C.E.H. की परीक्षायें सेमेस्टर वाइज़ वर्ष में 4 बार होंगी जो इस प्रकार है :— March , June , September and December

F.M.E.H. / A.C.E.H. Semester Cycle.

Enrolment	Examination	Result
Up to 30th. January	Last Week of June	Last week of July
Up to 30th. April	Last Week of September	Last week of October
Up to 30th. July	Last Week of December	Last week of January
Up to 30th. October	Last Week of March	Last week of April

M.B.E.H. , G.E.H.S & P.G.E.H. Annual Cycle

Enrolment	Examination	Result
Up to 30th. July	March	Last week of April

LIST OF AUTHORISED INSTITUTIONS

Code	Name of InstituteAddress & District	Name of Principal	Name of Manager & Mobile No.
1	Ashish Electro Homoeopathic Medical Insitute, Chajlapur, Po: I.T.I.,Door Bhash Nagar, Raibareli	Dr. P. N. Kushwah	Dr. P.N. Kushwaha , 9415177119
3	Awadh Electro Homoeopathic Medical Insitute, Shri Om Sai Dham,Indrpuri Colony,Sitapur Road, Lucknow	Dr. R. K. Kapoor	Smt. Sunita Kapoor , 9335916076
4	Indira Gandhi Electro Homoeopathic Medical Insitute, Near Bhagva Chungi, Naya Mal Godam Road, Pratapgarh	VACANT	Dr. M.A. Idrisi, 9451274526
5	Bhagwan MahaveerElectro Homoeopathic Insitute, Pan Dareeba, Jaunpur	Dr. Pramod Kumar Maurya	Smt. Sushila Maurya , 9935870799
6	Maa sarju Devi Electro Homoeopathic Medical Insitute, 2537 - Mishrana, Lakhimpur	Dr. R. K. Sharma	R.K. Sharma , 8115545675
7	Mahoba Electro Homoeopathic Institute, Behind Block Office Subhash Nagar, MAHOBA-210427	Dr. Ajai Barsaiya	Smt. Rajni Awasthi , 842396191
10	Electro Homoeopathic Medical Insitute Jalaun, 2/55 Awas Vikas Colony, Jalaun	Dr. Savitri Devi	Kuldeep Singh, 9451542329
11	Chandpar Electro Homoeopathic Medical Insitute, Anjan Shaheed, Azamgarh	Dr. Mushtaq Ahmad	Dr. Iftekhar Ahmad,9415358163
12	Mau Electro Homoeopathic Medical Insitute, Prem Nagar Chakiya(Chiraiya Kot Road), Mau	Dr. Ramesh Upadhyay	Dr. Iftekhar Ahmad,9616675062
13	Azad Electro Homoeopathic Medical Insitute, Kintoor, Barabanki	Dr. Habib-ur- Rahman	Dr. Habib-ur-Rehman, 9415758906
14	Fatehpur Electro Homoeopathic Medical Insitute, Deviganj, Fatehpur	VACANT	Dr. Afzal Ahmad Kazmi, 9450332981
15	Electro Homoeopathic Medical Insitute , Mahmanshah, Near Charkhamba,Shahjahan pur	Dr. Ammar-Bin-Sabir	Dr.S.A. Siddique, 9336034277
16	Shahganj Electro Homoeopathic Medical Insitute , Behind Mahila Hospiital, Dihawa Bhadi,Shahganj, Jaunpur	Dr. S. N. Ri	Dr. Rajendra Prasad, 9450088327
17	Prema Devi Electro Homoeopathic Medical Institute, Siddhatth Children Campus, Arya Nagar, Siddharth Nagar	Dr. Ved Prakash Srivastav	9415669294
18	Bundel Khand Electro Homoeopathic Medical Institute, Campus Shri Lakhan Smarak Kanya Jr.H. School 1363 Y-4 Dhobin Pulia, Hanumant Vihar, NaubastaKANPUR	Dr. Pramod Kumar singh 9307199994	Mr. Rahul Bajpai, 9650466359

LIST OF AUTHORISED STUDY CENTRES

Code	Head of Centre	Address	District	Mobile No	E-mail
51	Dr. Adil M. Khan	Parsauni Kala,Padrauna	KUSHI NAGAR	9936131988	WhatsApp No: 7985063850
52	Dr. Pradeep Kumar Srivastava	8/366 Tube Well Colony	DEORIA	9415826491	
53	Dr. Bhoop Raj Shrivastava	120-Basheerganj	BAHRAICH	9451786214	
54	Dr. Hari Singh	Nagla ParamSukh, Etmadpur	AGRA	9359350670	
55	Dr. Ayaz Ahmad	Beneath K.G.S. Gramir Bank, Walidpur	MAU	9305963908	
56	Dr. Gaya Prasad	Aarti Electro Homoeopathic Study Centre, Barkhera, Kalpi	JALAUN	8874429538	
57	Dr. N. Bhushan Nigam	B.K.E.H. Study Centre, Patkana	HAMIRPUR	7007352458	
58	Dr.Brajesh Kumar Sharma	Shanti Devi Electro Homoeopathic Study Centre, Borna	ALIGARH	9416855688	Dr. Ram Babu Singh 9416855688
59	Dr. Mohammad Israr Khan	Araw Road, Sirsaganj	FIROZABAD	9634503421	
60	Dr. Mohd. Akhlak Khan	128- Katra Purdal Khan	ETAWAH	7417775346	
62	Dr. Pundreek Tripathi	Hameed Nagar Ward No-3, Nautanwa	MAHARAJGANJ	9936769580	mpsr31@gmail.com
65	Smt. Varsha Patel	Banarsi Dham, Bindki	FATEHPUR	8853961545	

LIST OF AUTHORISED STUDY CENTRES OF OTHER STATES

Code	Head of Centre	Address	District	Mobile No	E-mail
81	Dr. Devendra Singh	374/4 Shaheed Bhagat Singh Colony	DELHI-110090	9873609565	
82	Dr. Pankaj Kumar	Kaithi, P.S. Chauthan	KHAGARIA-851201	7549417934	

LIST OF AUTHORISED EXAMINATION CENTRES

Code	Head of Centre	Address	District	Mobile No	E-mail
91	Dr. P. K. Ragahav	Khurja	BULAND SHAHAR	9837897021	
93	Dr. Rajesh	Garh Mukteshwar	HAPUR	8958961964	

Registrar